Use of IAF Plane to take Dead Body of late Begum Akhtar to Lucknow

*333. SHRI S. M. BANERJEE: Will the Minister of DEFENCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Defence Ministry was approached by some Members of Parliament and public men to allow an I.A.F. plane to take the dead body of famous Musician, late Begum Akhtar, to Lucknow;

(b) if so, the reason for not giving a Plane;

(c) whether a sum of Rs. 10,000 was demanded for it; and

(d) whether late Begum Akhtar sang for jawans during 1965 Pakistani attack on India at many forward places risking her life; and if so, the reason for not allowing her dead body to be flown to Lucknow in an IAF Plane without any cost?

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI SWARAN SINGH): (a) and (b). Yes Sir, a verbal request was received but there is no provision in the Rules for carrying the dead bodies of non-official civilians in IAF aircraft

(c) No Sir.

(d) Besides her contribution to the entertainment of the Jawans even otherwise we are full of admiration and respect for this talented lady but unfortunately the rules did not permit the use of an I.A.F. plane in this case.

श्री एस० एम० बनर्जी : बेगम अख्तर की डैड बाडी को अहमदाबाद से दिल्ली लाया गया । तकरीबन सवा दस बजे लाश यहां पहुंची । उसके बाद मैंने ही प्रार्थना नहीं की औरों ने भी की और मिनिस्टर साहब यहां बैठे हुए हैं कि दस हजार रुपये की बात है तो वह बाद में दिया जा सकता है लेकिन डैड बाडी को ले जाने के लिए प्लेन तो मिल ही जाना चाहिये । उनकी बुजुर्ग मां 76 साल की बूढ़ी बैठी हुई थीं, बहुत से उनके एडमाइरर्ज बैठे हुए थे, हम सब लोग पालम पहुंचे हुए थे, सुबह पहले से ही वहां मौजूद थे, हम लोगों ने प्रार्थना की कि दस हजार रुपये बाद में मिल जाएंगे इस वक्त जरूरत इस बात की है कि डैड बाडी को ले जाया जाए लेकिन कोई ध्यान नहीं दिया गया । क्या यह सच नहीं है कि 1965 में चम्ब और जोरिया सैक्टर में जब एक तरफ बमबारी हो रही थी तो दूसरी तरफ बेगम अख्तर जवानों की हिम्मत बढ़ाने के लिए गाने गा रही थीं ? इस वास्ते ऐसे मौके पर यह कहना कि पहले दस हजार रुपये दो क्या उचित था और क्या यह सही नहीं है कि चूंकि दस हजार रुपये नहीं दिए गए और यह कहा गया कि इस वक्त नहीं बाद में चाहे ले लीजियेगा, प्लेन नहीं दिया गया ?

श्री स्वर्ण सिंह . मुझे इस बात का पता नहीं है कि रुपये की चर्चा हुई थी । कायदे के मुताबिक मैंने माना है कि बदकिस्मती से कायदे ऐसे हैं जिन में यह नहीं किया जा सकता था ।

श्री एस० एम० बनर्जी . क्या कायदा ऐसा है कि जार्ज फरनेंडीस को गिरफ्तार करने के लिए बोर्डर सिक्योरिटी फोर्स के हवाले प्लेन कर दिया जाए, उसका इस्तेमाल किया जाए बड़े बड़े जनरलों के कुत्तों तक के लिए हवाई जहाजों का इस्तेमाल किया जाय और क्या उनको ले जाया नहीं जाता है हवाई जहाज से.... (इंटरप्शंज)

Begam Akhtar was not an individual; she was an institution. Ministers may come and Ministers may go; they may live or they may die. But Begum Akhtar is born only once. They should realise this.

My question was whether Rs. 10,000 was the only problem and if he could pay Rs. 10,000 the dead body would have been flown.

SHRI SWARAN SINGH: I have already said that I do not think Rs. 10,000 was the main problem.

श्री एस० एम० बनर्जी : अध्यक्ष महोदय, क्या मंत्री महोदय को मालूम है कि इस तरह से कई हादसे हो चुके है और इंडियन एयर फोर्स ने हवाई जहाज दिये है ? जब डेड बाडी लाई गई, तो आल-इंडिया रेडियो ने एनाउंस तक नही किया ।

May I know whether the hon. Minister can assure this House that in future for the eminent artistes, eminent scientists and philosophers and men of letters this restriction will not be there and that their dead bodies will be allowed to be flown? Now if I die, my dead body can be flown but not the dead body of the late Begum Akhtar I want a specific reply.

SHRI SWARAN SINGH: I hope such contingencies will not airse when eminent people die and their dead bodies have to be flown.

MR SPEAKER: It is a suggestion for action.

श्रीमती शीला कौल : हमारे जो आर्टिस्ट्स फारवर्ड एरियाज में जा कर ट्रूप्स की एन्टरटेनमेंट करते है, उन के लिये हमारे दिलों में साफ्ट कार्नर होना चाहिए या नही, अगर होना चाहिए, तो हम अपने कायदे बदल सकते हैं या नही ?

श्री स्वर्ण सिंह : आर्टिस्ट्स के लिए बिल्कुल साफ्ट कार्नर होना चाहिए, और जो जवानों के लिए परफार्म करते है, उन के लिए और भी ज्यादा होना चाहिए । अगर सब की राय हो, तो कायदे बदलने पर भी विचार किया जा सकता है।

श्री जनेश्वर मिश्र : अभी सवाल के जवाब में बताया गया है कि बेगम अख्तर की लाश ले जाने के लिए पल्टनी हवाई जहाज के मालिकों ने दस हजार रुपये की मांग की । क्या मैं जान सकता हूं कि पल्टन के जितने हवाई जहाज पल्टन के काम के अलावा दूसरे काम के लिए इस्तेमाल किये जाते हैं, चाहे वे प्रधान मंत्री के चुनाव के दौरे के लिए हों, क्या उन के लिए दस हजार रुपये दिये जाते है ? (**व्यवधान**) ये लोग हल्ला मचा कर मुझे दबाना चाहते है । ये हल्ला मचा कर मुझे दबा नही सकते है । चाहे बेगम अख्तर हो और चाहे बेगम इन्दिरा हों, अगर पल्टन के काम के अलावा उस के हवाई जहाज का इस्तेमाल किया जाये, तो क्या दस हजार रुपये की मांग की जायेगी ?

SHRI SWARAN SINGH: The use of Indian Air Force aircraft for the Prime Minister is also covered by the rules. This question has been replied to on several occasions on the floor of this house.

SHRI B. V. NAIK: May I know from the hon Defence Minister, who are the distinguished Indians whose funeral or last journey is taken care of by the Government? We know that Ministers get the last journey at the expense of the Government. Who are the other distinguished Indians of this country, artists, technicians and others, who can get that?

SHRI SWARAN SINGH: The Home Ministry has issued certain instructions and, according to those instructions, non-officials do not come in that list. But there are several other categories. Not only Ministers, as Mr. Banerjee said, even Members of Parliament are also included in that list. There are several other categories also.